Name: _____ Date: _____

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है – द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं। जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे – चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरू-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

'और' के साथ आए शब्दों के जोड़े को 'और' हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है। द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है – द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं। जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे – चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरू-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

'और' के साथ आए शब्दों के जोड़े को 'और' हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है। द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर सुख और दुख - सुख-दुख

भूख और प्यास - भूख-प्यास

हँसना और रोना - हँसना-रोना

आते और जाते - आते-जाते

राजा और रानी - राजा-रानी

चाचा और चाची - चाचा-चाची

सच्चा और झूठा - सच्चा-झूठा

पाना और खोना - पाना-खोना

पाप और पुण्य - पाप-पुण्य

स्त्री और पुरूष - स्त्री-पुरूष

राम और सीता - राम-सीता

आना और जाना - आना-जाना

https://educationwithfun.com